

स्टैंड पुं. (अं.) 1. विराम, रुकाव, ठहराव 2. चीजें रखने का आधार 3. वाहनों का अड़डा।

स्टैंडिंग स्त्री. (अं.) 1. प्रतिष्ठा, सम्मान 2. मान्यता, साख 3. अवधि, काल, समय वि. स्थाई, स्थिर, पक्का।

स्टैंप पुं. (अं.) 1. मुद्रा, मोहर 2. मुद्रांक, निशान, छाप, ठप्पा 3. टिकट, स्टांप।

स्टैंप पेपर पुं. (अं.) कानूनी दस्तावेज लिखने का सरकारी कागज।

स्टैंप शुल्क पुं. (अं.) स्टैंप पेपर पर दस्तावेज लिखने में जाने वाला सरकारी शुल्क जो टिकटों के रूप में लगाया जाता है।

स्टोर पुं. (अं.) 1. गोदाम, भंडार 2. संचय, संग्रह 3. दुकान।

स्टोर रूम पुं. (अं.) 1. भंडार-घर 2. घर में सामान रखने का कमरा।

स्टोरी स्त्री. (अं.) 1. कहानी 2. भवन की मंजिल, तल्ला।

स्टोव पुं. (अं.) एक प्रकार का आधुनिक चूल्हा जिसमें तेल/गैस आदि से अथवा बिजली से ताप उत्पन्न होता है।

स्ट्राइक पुं. (अं.) हड़ताल।

स्ट्राबेरी स्त्री. (अं.) 1. एक यूरोपीय पौधा जिसमें लाल रंग के फल आते हैं 2. उक्त फल।

स्ट्रीट स्त्री. (अं.) सड़क जिसके एक ओर या दोनों ओर मकान बने हो।

स्ट्रेचर पुं. (अं.) रोगी या घायल व्यक्ति को उठाकर ले जाने वाली खाट।

स्तंब पुं. (तत्.) 1. एक पौधा जिसकी जड़ से कई पौधे निकलें और जिसमें कड़ी लकड़ी या डंठल न हो, गुल्म 2. घास का पूला 3. रोहतक या रोहड़ा नामक वृक्ष।

स्तंबक पुं. (तत्.) 1. गुच्छा 2. नक-छिकनी।

स्तंभ पुं. (तत्.) 1. दृढ़ता 2. कठोरता 3. गतिहीनता, अचलता 4. खंभा 5. आधार या

अवलंब, सहारा 6. मूढ़ता, जड़ता 7. पेड़ का तना, धड़, वृक्ष का वह बेलनाकार प्रमुख अंग जिस पर शाखाएँ पत्तियाँ और फूल लगते हैं 8. भय, लज्जा आदि के कारण अंगों की पूरी शिथिलता, निष्क्रियता 9. अलौकिक शक्ति, मंत्र शक्ति या तांत्रिक प्रयोग से किसी भी शक्ति, भाव को रोकने की क्रिया 10. एक सात्विक अनुभाव, हर्ष, भय आदि से शरीर के अंगों का अकस्मात् संचालन रुकना या पूरी तरह शिथिल हो जाना 11. पत्र-पत्रिका के किसी पृष्ठ पर रहने वाले विविध ऊर्ध्वाधर भागों में से प्रत्येक।

स्तंभक पुं. (तत्.) स्तंभ, खंभा वि. 1. स्तंभन करने वाला, रोकने वाला, रोधक 2. वीर्य को जल्दी स्खलित होने से रोकने वाला 3. अजीर्ण/कब्ज करने वाला।

स्तंभकर वि. (तत्.) 1. स्तब्ध करने वाला 2. स्तंभन करने वाला 3. बाधा डालने वाला 4. रोकने वाला।

स्तंभकी पुं. (तत्.) प्राचीन काल का एक प्रकार का बाजा जिस पर चमड़ा मढ़ा होता था स्त्री. एक देवी का नाम।

स्तंभतीर्थ पुं. (तत्.) आधुनिक खंभात नगर का प्राचीन नाम।

स्तंभन पुं. (तत्.) 1. रोकने की क्रिया या भाव 2. कामदेव के पाँच बाणों-मारण, स्तंभन, जृंभण, शोषण तथा उन्मादन में से एक।

स्तंभन द्रव्य पुं. (तत्.) वह पदार्थ जो (शीघ्र पचने वाला होने के कारण वात को उत्पन्न करके) शरीर के मल आदि को रोकता है, अजीर्ण करने वाला।

स्तंभ पूजा स्त्री. (तत्.) 1. स्तंभ की पूजा 2. यज्ञस्तंभ की पूजा।

स्तंभ लेख पुं. (तत्.) किसी स्तंभ पर उत्कीर्ण अभिलेख।

स्तंभ लेखक पुं. (तत्.) पत्र-पत्रिका के किसी स्तंभ के लिए नियमित लेख लिखने वाला व्यक्ति/पत्रकार।